प्राधिकारियों के लिए प्रार्थना करना

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 1

1 तिमुथियुस 2:1–4 (ESV)

“इसलिए, सबसे पहले मैं यह आग्रह करता हूँ कि सभी मनुष्यों के
लिए याचना, प्रार्थना, मध्यस्थता और धन्यवाद अर्पित किए जाएँ, राजा और उच्च पदों पर बैठे सभी लोगों के लिए, ताकि हम शांतिपूर्ण और मर्यादित जीवन व्यतीत कर सकें। यह अच्छा है
और हमारे उद्धारकर्ता परमेश्वर की दृष्टि में प्रसन्नता का कारण है, जो चाहता है कि सभी लोग उद्धार पाएँ और सत्य को जानें।”

शालोम, परमेश्वर के प्यारे पुत्रों।
आज के बाइबल अध्ययन में आपका स्वागत है। परमेश्वर की कृपा से, हम “प्राधिकारियों के लिए प्रार्थना करने का महत्व” जानेंगे।

1. परमेश्वर ही प्राधिकार नियुक्त करते हैं
रोमियों 13:1–5

श Apostle पॉल लिखते हैं:
“हर व्यक्ति को शासक प्राधिकारियों के अधीन होना चाहिए, क्योंकि कोई भी प्राधिकार परमेश्वर के बिना नहीं है, और जो प्राधिकार हैं वे परमेश्वर द्वारा स्थापित किए गए हैं।”

प्राधिकारियों के लिए प्रार्थना करना

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 2

पॉल आगे समझाते हैं कि यदि कोई प्राधिकार का विरोध करता है, तो वह परमेश्वर के विधान का विरोध करता है, और ऐसा विरोध न्याय को जन्म देता है।
(रोमियों 13:2)

नेताओं की भूमिका—चाहे वे राजनीतिक हों या नागरिक—परमेश्वर की सेवा का एक रूप है:

“क्योंकि वह आपके भले के लिए परमेश्वर का सेवक है… वह परमेश्वर का सेवक है, जो दुष्टों पर परमेश्वर का क्रोध लागू करता है।”
(रोमियों 13:4)

इसका मतलब है कि परमेश्वर दो तरह की सेवाएँ स्थापित करते हैं:

आध्यात्मिक सेवा: प्रचारक और मंत्री सुसमाचार का प्रचार करते हैं। (इफिसियों 4:11–12)

सिविक/सरकारी सेवा: प्राधिकारियों द्वारा सामाजिक व्यवस्था, न्याय और जनहित बनाए रखने के लिए।

प्राधिकारियों के लिए प्रार्थना करना

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 3

हालाँकि ये नागरिक नेता सुसमाचार प्रचार नहीं करते, फिर भी वे सामाजिक स्थिरता बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जो अप्रत्यक्ष रूप से सुसमाचार के प्रसार का समर्थन करता है।

2. प्राधिकारियों के लिए प्रार्थना क्यों करें?
पॉल कहते हैं कि हमें शासकों और प्राधिकारियों के लिए प्रार्थना करनी चाहिए ताकि हम शांतिपूर्ण, धर्मपरायण और मर्यादित जीवन जी सकें। (1 तिमुथियुस 2:2)

यह केवल उनकी व्यक्तिगत जरूरतों के लिए प्रार्थना करने का मामला नहीं है। यहाँ जोर इस बात पर है कि उनके पदों का उपयोग परमेश्वर के उद्देश्यों के लिए हो, न कि शत्रु के लाभ के लिए।

उदाहरण:

जब हम राष्ट्रपति के लिए प्रार्थना करते हैं, तो हम केवल उनके स्वास्थ्य या सफलता के लिए नहीं प्रार्थना कर रहे हैं, बल्कि यह भी प्रार्थना कर रहे हैं कि उनका पद शत्रु के प्रभाव से सुरक्षित रहे और निर्णय परमेश्वर की इच्छा के अनुसार हों।

यही बात स्वास्थ्य, शिक्षा, वित्त जैसे मंत्रालयों के लिए भी लागू होती है।

प्राधिकारियों के लिए प्रार्थना करना

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 4

3. जब नेता भटकते हैं, तो जनता को नुकसान होता है
जब प्राधिकारियों की स्थिति में प्रार्थना का कवरेज नहीं होता, तो शत्रु अराजकता फैलाने का अवसर पाता है। इसका प्रभाव केवल अधर्मी लोगों पर नहीं, बल्कि सभी पर पड़ता है, यहाँ तक कि विश्वासियों पर भी।

बाइबिल उदाहरण:

येरुशलेम का घेरेबंदी (यिर्मयाह 52):
शहर दो साल तक घेरा गया। परमेश्वर द्वारा चुने गए यिर्मयाह भी कठिनाई में पड़े और एक समय में केवल एक रोटी दी जाती थी।

बाबुल का निर्वासन (इज़ेकियल और डैनियल):
धर्मपरायण लोग भी देश के राजनीतिक और आध्यात्मिक पतन का परिणाम भोगते हैं।

“नूह बाढ़ से बचा, लेकिन जहाज के भीतर जीवन आसान नहीं था।”

4. आध्यात्मिक युद्ध और राजनीतिक प्रणाली
शैतान नेतृत्व संरचनाओं को लक्षित करता है। उनका उद्देश्य केवल कष्ट फैलाना नहीं, बल्कि चर्च और सुसमाचार के प्रसार को बाधित करना है।

प्राधिकारियों के लिए प्रार्थना करना

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 5

यह शामिल हो सकता है:

सड़कों पर प्रचार पर प्रतिबंध

चर्च निर्माण पर सरकारी सीमाएँ

बिना औपचारिक धर्मशास्त्र प्रशिक्षण के प्रचार पर रोक

इसलिए पॉल कहते हैं कि चर्च को केवल व्यक्तिगत शांति के लिए नहीं, बल्कि पूरे प्रणाली की शांति के लिए मध्यस्थता करनी चाहिए।

5. हमें निरंतर और विशेष रूप से प्रार्थना करनी चाहिए हमें हर स्तर के नेतृत्व के लिए प्रार्थना करनी चाहिए:

राष्ट्रीय अध्यक्ष और प्रधान मंत्री

मंत्री और विभाग प्रमुख

स्थानीय नेता, सांसद, महापौर

वार्ड नेता, गाँव elders और क्षेत्रीय प्रतिनिधि

प्राधिकारियों के लिए प्रार्थना करना

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 6

हर निर्णय का प्रभाव व्यापक होता है।

6. अंतिम समय और शांति की आवश्यकता
बाइबिल वैश्विक अशांति की भविष्यवाणी करती है (मत्ती 24:6–8)।

“तुम युद्धों और युद्धों की अफवाहों के बारे में सुनोगे…
लेकिन अंत अभी नहीं आया।”

अभी भी शांति के लिए प्रार्थना करने और अंधकार का मुकाबला करने का समय है।

7. परमेश्वर के वचन का पालन करें
पॉल फिर कहते हैं:

“सबसे पहले, मैं यह आग्रह करता हूँ कि सभी मनुष्यों के लिए याचना, प्रार्थना, मध्यस्थता और धन्यवाद अर्पित किए जाएँ,
राजा और उच्च पदों पर बैठे सभी लोगों के लिए।” (1 तिमुथियुस 2:1–2)

प्राधिकारियों के लिए प्रार्थना करना

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 7

विश्व न्याय की ओर बढ़ रहा है, लेकिन हमें अभी भी प्रार्थना करनी है और शांति बनाए रखनी है।

प्रार्थना बिंदु
“हे प्रभु, हम प्रत्येक प्राधिकार में बैठे व्यक्ति को
उठाकर आपके सामने रखते हैं, राष्ट्रीय नेता से लेकर स्थानीय अधिकारी तक। उन्हें आपकी बुद्धि से ढकें, शत्रु के प्रभाव
से उनकी मस्तिष्क को सुरक्षित रखें, और हर निर्णय में आपकी इच्छा पूरी हो। इन पदों को भ्रष्टाचार और आध्यात्मिक
आक्रमण से बचाएं, ताकि हम, आपके लोग, शांतिपूर्ण जीवन जी
सकें और आपका सुसमाचार स्वतंत्र रूप से प्रचार कर सकें।
यीशु के नाम में। आमीन।”

परमेश्वर आपको समृद्ध आशीर्वाद दें क्योंकि आप इस मध्यस्थता के कार्य को उठाते हैं। आपकी प्रार्थनाएँ परिवर्तन ला सकती हैं।

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp